



सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-4, खण्ड (क)

(सामान्य परिनियम नियम)

प्रयागराज, शनिवार, 18 जनवरी, 2025 ई०

(पौष 28, 1946 शक संवत्)

कार्यालय आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज

संख्या-3653/दस-लाइसेंस-40/बी०डब्ल्यू०एफ०एल०-2 नियमावली, 2024-2025

प्रयागराज, दिनांक 18 जनवरी, 2025 ई०

अधिसूचना

सा०प०नि०-05

उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम, 1904 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 1 सन् 1904) की धारा 21 के साथ पठित संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम, 1910 (संयुक्त प्रान्त अधिनियम संख्या 4 सन् 1910) की धारा 41 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करके, आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश, राज्य सरकार की पूर्व स्वीकृति से पूर्वोक्त अधिनियम सन् 1910 की धारा 18 के खण्ड(घ) के अधीन नियत लाइसेंस फीस पर विदेशी मदिरा के बंधित गोदाम के लाइसेंस देने के लिए उत्तर प्रदेश आबकारी (विदेशी मदिरा बंधित गोदाम के लाइसेंसों का व्यवस्थापन) नियमावली, 2011 में संशोधन करने की दृष्टि से एतद्वारा निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं, अर्थात:-

उत्तर प्रदेश आबकारी (विदेशी मदिरा बंधित गोदाम के लाइसेंसों का व्यवस्थापन) (दसवाँ संशोधन) नियमावली, 2024

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ-(1) यह नियमावली उत्तर प्रदेश आबकारी (विदेशी मदिरा बंधित गोदाम के लाइसेंसों का व्यवस्थापन) (दसवाँ संशोधन) नियमावली, 2024 कही जायेगी।

(2) यह दिनांक 01 अप्रैल, 2024 से प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

2. नियम-2 का संशोधन- उत्तर प्रदेश आबकारी (विदेशी मदिरा बंधित गोदाम के लाइसेंसों का व्यवस्थापन) नियमावली, 2011, जिसे आगे उक्त नियमावली कहा गया है, में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान नियम 2 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् -

स्तम्भ-1 विद्यमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
<p>2-परिभाषायें</p> <p>2. जब तक विषय या संदर्भ से कोई बात प्रतिकूल न हो, इस नियमावली में -</p> <p>(एक) “अधिनियम” का तात्पर्य समय-समय पर यथा संशोधित संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम, 1910 से है;</p> <p>(दो) “जिला आबकारी अधिकारी” का तात्पर्य आबकारी विभाग के ऐसे अधिकारी से है, जो सहायक आबकारी आयुक्त से निम्न श्रेणी अथवा राजस्व विभाग के उप जिलाधिकारी से निम्न श्रेणी का अधिकारी न हो और उक्त अधिनियम की धारा 10 की उप धारा (2) के खण्ड (ख) के अधीन सम्यक रूप से नियुक्त एवं निहित शक्तियाँ प्राप्त हों;</p> <p>(तीन) “आबकारी वर्ष” का तात्पर्य किसी कैलेण्डर वर्ष के एक अप्रैल से प्रारम्भ होने वाली 12 माह की अवधि से है;</p> <p>(चार) “प्रपत्र” का तात्पर्य इस नियमावली के साथ संलग्न प्रपत्र से है;</p> <p>(पाँच) “विदेशी मदिरा का तात्पर्य” भारत निर्मित विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन एवं कम तीव्रता के मादक पेय (एल ए बी) से है;</p> <p>(छः) “लाइसेंसधारी” का तात्पर्य अन्य राज्यों की ऐसी आसवनी, यवासवनी, द्राक्षासवनी या बोटल भराई इकाई से है, जिसे प्रपत्र बी0 डब्लू0 एफ0 एल0-2ए, बी0 डब्लू0 एफ0 एल0 - 2बी, बी0 डब्लू0 एफ0 एल0- 2सी या बी0 डब्लू0 एफ0 एल0 - 2डी में विदेशी मदिरा के बंधित गोदाम चलाने की स्वीकृति दी गई हो;</p> <p>(सात) “लाइसेंस प्राधिकारी” का तात्पर्य आबकारी आयुक्त से है;</p> <p>(आठ) “लाइसेंस फीस” का तात्पर्य अधिनियम की धारा 24क के अधीन थोक विदेशी मदिरा के अनन्य विशेषाधिकार के लिये लाइसेंस प्रदान किये जाने के लिये प्रतिफल से है, जो लाइसेंसधारी द्वारा, उसको लाइसेंस प्रदान किये जाने के पूर्व, ऐसी दरों पर, जैसा कि समय-समय पर आबकारी आयुक्त द्वारा राज्य सरकार की पूर्व स्वीकृति से निर्धारित किया जाये, राजकीय कोषागार में ई-पेमेन्ट के माध्यम से जमा की जायेगी।</p>	<p>2-परिभाषायें</p> <p>2. जब तक विषय या संदर्भ से कोई बात प्रतिकूल न हो, इस नियमावली में -</p> <p>(एक) “अधिनियम” का तात्पर्य समय-समय पर यथा संशोधित संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम, 1910 से है;</p> <p>(दो) “जिला आबकारी अधिकारी” का तात्पर्य आबकारी विभाग के ऐसे अधिकारी से है, जो सहायक आबकारी आयुक्त से निम्न श्रेणी अथवा राजस्व विभाग के उप जिलाधिकारी से निम्न श्रेणी का अधिकारी न हो और उक्त अधिनियम की धारा 10 की उप धारा (2) के खण्ड (ख) के अधीन सम्यक रूप से नियुक्त एवं निहित शक्तियाँ प्राप्त हों;</p> <p>(तीन) “आबकारी वर्ष” का तात्पर्य किसी कैलेण्डर वर्ष के एक अप्रैल से प्रारम्भ होने वाली 12 माह की अवधि से है;</p> <p>(चार) “प्रपत्र” का तात्पर्य इस नियमावली के साथ संलग्न प्रपत्र से है;</p> <p>(पाँच) “विदेशी मदिरा का तात्पर्य” भारत निर्मित विदेशी मदिरा(आई.एम.एफ.एल.), बीयर, वाइन एवं कम तीव्रता के मादक पेय (एल ए बी) से है;</p> <p>(छः) “लाइसेंसधारी” का तात्पर्य अन्य राज्यों की ऐसी आसवनी, यवासवनी, द्राक्षासवनी या बोटल भराई इकाई से है, जिसे प्रपत्र बी0 डब्लू0 एफ0 एल0-2ए, बी0 डब्लू0 एफ0 एल0-2ए, बी0 डब्लू0 एफ0 एल0-2बी, बी0 डब्लू0 एफ0 एल0-2सी या बी0 डब्लू0 एफ0 एल0-2डी में विदेशी मदिरा के बंधित गोदाम चलाने की स्वीकृति दी गई हो;</p> <p>(सात) “लाइसेंस प्राधिकारी” का तात्पर्य आबकारी आयुक्त से है;</p> <p>(आठ) “लाइसेंस फीस” का तात्पर्य अधिनियम की धारा 24क के अधीन थोक विदेशी मदिरा के अनन्य विशेषाधिकार के लिये लाइसेंस प्रदान किये जाने के लिये प्रतिफल से है, जो लाइसेंसधारी द्वारा, उसको लाइसेंस प्रदान किये जाने के पूर्व, ऐसी दरों पर, जैसा कि समय-समय पर आबकारी आयुक्त द्वारा राज्य सरकार की पूर्व स्वीकृति से निर्धारित किया जाये, राजकीय कोषागार में ई-पेमेन्ट के माध्यम से जमा की जायेगी।</p>

स्तम्भ-1 विद्यमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
(नौ) “प्रभारी अधिकारी” का तात्पर्य आबकारी आयुक्त द्वारा नामनिर्दिष्ट आबकारी विभाग के ऐसे अधिकारी से है, जो आबकारी निरीक्षक से नीचे की श्रेणी का न हो;	(नौ) “प्रभारी अधिकारी” का तात्पर्य आबकारी आयुक्त द्वारा नामनिर्दिष्ट आबकारी विभाग के ऐसे अधिकारी से है, जो आबकारी निरीक्षक से नीचे की श्रेणी का न हो;
(दस) “प्रतिभूति धनराशि” का तात्पर्य आबकारी आयुक्त द्वारा निर्धारित ऐसी धनराशि से है जो आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश के पक्ष में गिरवीकृत सावधि जमा रसीद के माध्यम से अथवा ई-पेमेन्ट के माध्यम से जमा की जायेगी और जो राज्य सरकार के पूर्ण दावों और देयों के प्रतिफल के अधीन लाइसेंसों के अन्तिम व्यवस्थापन के बाद प्रतिदेय होगी।	(दस) “प्रतिभूति धनराशि” का तात्पर्य आबकारी आयुक्त द्वारा निर्धारित ऐसी धनराशि से है जो आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश के पक्ष में गिरवीकृत सावधि जमा रसीद के माध्यम से अथवा ई-पेमेन्ट के माध्यम से जमा की जायेगी और जो राज्य सरकार के पूर्ण दावों और देयों के प्रतिफल के अधीन लाइसेंसों के अन्तिम व्यवस्थापन के बाद प्रतिदेय होगी।
(ग्यारह) “प्रतिफल शुल्क” का तात्पर्य आबकारी अधिनियम की धारा 30 के अधीन विदेशी मदिरा, वाइन, बियर और कम तीव्रता के मादक पेय पर राज्य सरकार द्वारा यथानिर्धारित शुल्क से है, जो आपूर्ति से पूर्व लाइसेंसधारी द्वारा कोषागार में जमा की जाएगी।	(ग्यारह) “प्रतिफल फीस ” का तात्पर्य आबकारी अधिनियम की धारा 30 के अधीन विदेशी मदिरा, वाइन, बियर और कम तीव्रता के मादक पेय पर राज्य सरकार द्वारा यथानिर्धारित फीस से है, जो आपूर्ति से पूर्व लाइसेंसधारी द्वारा कोषागार में जमा की जाएगी।
(बारह) “अतिरिक्त प्रतिफल शुल्क” का तात्पर्य अधिकतम फुटकर मूल्य को 10 के गुणांक में अगले स्तर पर लाने के फलस्वरूप प्राप्त अन्तर की धनराशि से है, जो अतिरिक्त एक्स आसवनी/एक्स यवासवनी मूल्य के रूप में लाइसेंस प्राप्त बंधित गोदाम के स्तर पर संदेय होगी और बंधित गोदाम के लाइसेंसधारी द्वारा थोक आपूर्तिकर्ता से वसूली योग्य होगी तथा जो बाद में थोक आपूर्तिकर्ता द्वारा फुटकर लाइसेंसधारी से अधिकतम थोक मूल्य के अलावा वसूल की जा सकेगी।	(बारह) “अतिरिक्त प्रतिफल फीस ” का तात्पर्य अधिकतम फुटकर मूल्य को 10 के गुणांक में अगले स्तर पर लाने के फलस्वरूप प्राप्त अन्तर की धनराशि से है, जो अतिरिक्त एक्स आसवनी/एक्स यवासवनी मूल्य के रूप में लाइसेंस प्राप्त बंधित गोदाम के स्तर पर संदेय होगी और बंधित गोदाम के लाइसेंसधारी द्वारा थोक आपूर्तिकर्ता से वसूली योग्य होगी तथा जो बाद में थोक आपूर्तिकर्ता द्वारा फुटकर लाइसेंसधारी से अधिकतम थोक मूल्य के अलावा वसूल की जा सकेगी।
(तेरह) “आयात परमिट फीस” का तात्पर्य उत्तर प्रदेश राज्य के बाहर के किसी राज्य अथवा संघ राज्य क्षेत्र अथवा विदेश से आयात की गयी विदेशी मदिरा, वाइन, बीयर एवं एल0ए0बी0 पर अधिरोपित की जाने वाली फीस से है।	(तेरह) “आयात परमिट फीस ” का तात्पर्य उत्तर प्रदेश राज्य के बाहर के किसी राज्य अथवा संघ राज्य क्षेत्र अथवा विदेश से आयात की गयी विदेशी मदिरा, वाइन, बीयर एवं एल0ए0बी0 पर अधिरोपित की जाने वाली फीस से है।

3-नियम-3 का संशोधन- **उक्त नियमावली** में, नीचे स्तम्भ-1 में, दिए गए विद्यमान नियम-3 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्:-

स्तम्भ-1 विद्यमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्द्वारा प्रतिस्थापित नियम
3-लाइसेंस की स्वीकृति-	3-लाइसेंस की स्वीकृति-
(1) आबकारी आयुक्त या उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी, जो संयुक्त आबकारी आयुक्त से निम्न श्रेणी का न हो, के द्वारा विदेशी मदिरा के बंधित गोदाम के लिये विदेशी मदिरा के थोक विक्रय का लाइसेंस निर्धारित संलग्न प्रारूप (बी0 डब्लू0 एफ0 एल0 2ए, बी0 डब्लू0 एफ0 एल0-2बी, बी0डब्लू0एफ0एल0-2सी, बी0डब्लू0एफ0 एल0-2डी) लाइसेंस शुल्क का भुगतान किये जाने, प्रतिभूति धनराशि जमा किये जाने और आबकारी आयुक्त के पक्ष में प्रपत्र बी0डब्लू0एफ0एल0-3 में सामान्य बन्ध-पत्र निष्पादित किये जाने पर स्वीकृत/ नवीकृत किया जायेगा:	(1) आबकारी आयुक्त या उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी, जो संयुक्त आबकारी आयुक्त से निम्न श्रेणी का न हो, के द्वारा विदेशी मदिरा के बंधित गोदाम के लिये विदेशी मदिरा के थोक विक्रय का लाइसेंस निर्धारित संलग्न प्रारूप (बी0 डब्लू0 एफ0 एल0-2ए, (बी0 डब्लू0 एफ0 एल0-2ए , बी0 डब्लू0 एफ0 एल0-2बी, बी0डब्लू0एफ0एल0-2सी, बी0डब्लू0एफ0एल0-2डी) लाइसेंस शुल्क का भुगतान किये जाने, प्रतिभूति धनराशि जमा किये जाने और आबकारी आयुक्त के पक्ष में प्रपत्र बी0डब्लू0एफ0एल0-3 में सामान्य बन्ध-पत्र निष्पादित किये जाने पर स्वीकृत/ नवीकृत किया जायेगा:

<p>स्तम्भ-1</p> <p>विद्यमान नियम</p>	<p>स्तम्भ-2</p> <p>एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम</p>
<p>परन्तु यह कि रुपये तीन हजार से अधिक एम०आर०पी० (प्रति बोतल) वाले भारत निर्मित विदेशी मदिरा के स्कॉच एवं सिंगल माल्ट ब्राण्डों की बिक्री हेतु बी0 डब्लू0 एफ0 एल0-2एए लाइसेंस, राज्य सरकार द्वारा यथानियत लाइसेंस फीस जमा करने पर जारी किये जायेंगे। यह लाइसेंस ऐसे व्यक्तियों/फर्मों/कम्पनियों को दिये जायेंगे, जिनके पास सम्बन्धित उत्पादकों के प्राधिकार पत्र होंगे। इस प्रकार के लाइसेंस में सभी प्रकारों सहित अधिकतम कुल पाँच ब्राण्डों की बिक्री की अनुमति दी जायेगी।</p> <p>(2) विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन एवं कम तीव्रता के मादक पेय के थोक विक्रय के लिये विदेशी मदिरा के बंधित गोदाम का लाइसेंस, लाइसेंस प्राप्त अन्य राज्यों की आसवनियों, यवासवनियों, द्राक्षासवनियों को दिया जायेगा। अन्य राज्य के बाटलिंग प्लान्ट का लाइसेंसधारक भी लाइसेंस के लिये अर्ह होगा परन्तु ऐसे लाइसेंसधारक की बाटलिंग इकाई निम्नलिखित मानदण्डों को पूरा करती हो:-</p> <p>(एक) बाटलिंग इकाई की वार्षिक कारबार व्यापारावर्त रुपये 100 करोड़ (राजस्व/ आबकारी शुल्क सहित) से कम न हो;</p> <p>(दो) बाटलिंग इकाई की वार्षिक उत्पादन क्षमता, पाँच लाख केसेस से कम न हो;</p> <p>(तीन) बाटलिंग इकाई का कारबार कम से कम 03 राज्यों में हो, जिसमें प्रत्येक की जनसंख्या एक करोड़ से कम न हो;</p> <p>(3) लाइसेंस की स्वीकृति हेतु आवेदन प्रपत्र बी0 डब्लू0 एफ0 एल0-1 में किया जायेगा। यदि राज्य के बाहर की कोई इकाई विभिन्न जिलों में बाण्ड लेना चाहे तो प्रत्येक जिले हेतु पृथक-पृथक लाइसेंस फीस प्रभारित की जायेगी।</p> <p>(4) प्रतिभूति धनराशि आबकारी आयुक्त द्वारा राज्य सरकार की पूर्व अनुमति से निर्धारित की जायेगी, जो आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश के पक्ष में गिरवीकृत सावधि जमा रसीद के रूप में अथवा ई-पेमेन्ट के माध्यम से जमा की जायेगी।</p> <p>(5) लाइसेंस फीस, लाइसेंसधारी द्वारा ई-पेमेन्ट के माध्यम से सरकारी कोषागार में जमा की जायेगी।</p> <p>(6) लाइसेंस की अवधि एक आबकारी वर्ष अथवा उसके आंशिक भाग के लिए होगी, जिसके लिये लाइसेंस स्वीकृत किया गया हो।</p> <p>(7) लाइसेंसधारी को लाइसेंस किसी अन्य व्यक्ति को अन्तरित करने अथवा उप-पट्टे पर देने की अनुमति नहीं होगी।</p>	<p>परन्तु यह कि रुपये तीन हजार से अधिक एम०आर०पी० (प्रति बोतल) वाले भारत निर्मित विदेशी मदिरा के स्कॉच एवं सिंगल माल्ट ब्राण्डों की बिक्री हेतु बी0 डब्लू0 एफ0 एल0-2एए लाइसेंस, राज्य सरकार द्वारा यथानियत लाइसेंस फीस जमा करने पर जारी किये जायेंगे। यह लाइसेंस ऐसे व्यक्तियों/फर्मों/कम्पनियों को दिये जायेंगे, जिनके पास सम्बन्धित उत्पादकों के प्राधिकार पत्र होंगे। इस प्रकार के लाइसेंस में सभी प्रकारों सहित अधिकतम कुल दस ब्राण्डों की बिक्री की अनुमति दी जायेगी।</p> <p>(2) विदेशी मदिरा, बीयर, वाइन एवं कम तीव्रता के मादक पेय के थोक विक्रय के लिये विदेशी मदिरा के बंधित गोदाम का लाइसेंस, लाइसेंस प्राप्त अन्य राज्यों की आसवनियों, यवासवनियों, द्राक्षासवनियों को दिया जायेगा। अन्य राज्य के बाटलिंग प्लान्ट का लाइसेंसधारक भी लाइसेंस के लिये अर्ह होगा परन्तु ऐसे लाइसेंसधारक की बाटलिंग इकाई निम्नलिखित मानदण्डों को पूरा करती हो:-</p> <p>(एक) बाटलिंग इकाई की वार्षिक कारबार व्यापारावर्त रुपये 100 करोड़ (राजस्व/ आबकारी शुल्क सहित) से कम न हो;</p> <p>(दो) बाटलिंग इकाई की वार्षिक उत्पादन क्षमता, पाँच लाख केसेस से कम न हो;</p> <p>(तीन) बाटलिंग इकाई का कारबार कम से कम 03 राज्यों में हो, जिसमें प्रत्येक की जनसंख्या एक करोड़ से कम न हो;</p> <p>(3) लाइसेंस की स्वीकृति हेतु आवेदन प्रपत्र बी0 डब्लू0 एफ0 एल0-1 में किया जायेगा। यदि राज्य के बाहर की कोई इकाई विभिन्न जिलों में बाण्ड लेना चाहे तो प्रत्येक जिले हेतु पृथक-पृथक लाइसेंस फीस प्रभारित की जायेगी।</p> <p>(4) प्रतिभूति धनराशि आबकारी आयुक्त द्वारा राज्य सरकार की पूर्व अनुमति से निर्धारित की जायेगी, जो आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश के पक्ष में गिरवीकृत सावधि जमा रसीद के रूप में अथवा ई-पेमेन्ट के माध्यम से जमा की जायेगी।</p> <p>(5) लाइसेंस फीस, लाइसेंसधारी द्वारा ई-पेमेन्ट के माध्यम से सरकारी कोषागार में जमा की जायेगी।</p> <p>(6) लाइसेंस की अवधि एक आबकारी वर्ष अथवा उसके आंशिक भाग के लिए होगी, जिसके लिये लाइसेंस स्वीकृत किया गया हो।</p> <p>(7) लाइसेंसधारी को लाइसेंस किसी अन्य व्यक्ति को अन्तरित करने अथवा उप-पट्टे पर देने की अनुमति नहीं होगी।</p>

<p>स्तम्भ-1</p> <p>विद्यमान नियम</p>	<p>स्तम्भ-2</p> <p>एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम</p>
<p>(8) राज्य के बाहर की कोई इकाई, जिसकी अन्य राज्यों में कई इकाइयाँ हो, जो उत्तर प्रदेश में बाण्ड लाइसेंस लेकर अपनी विभिन्न इकाइयों एवं राज्य में स्थित अपने एफ0एल0-1 और एफ0एल0-1ए लाइसेंसों को सम्मिलित करते हुए एक मास्टर वेयर हाउस से इकाइयों से विनिर्मित आई0 एम0 एफ0 एल0/बीयर/ वाइन/ कम तीव्रता के मादक पेय की बिक्री एक ही परिसर से करना चाहती हों, को प्रत्येक इकाई के लिये विहित लाइसेंस फीस प्रभारित करने के पश्चात् अनुमति प्रदान की जायेगी।</p> <p>परन्तु यह कि विभिन्न इकाइयों के पारेषण, उन परिसरों में पृथक-पृथक भण्डारित किये जायेगे:</p> <p>परन्तु यह और कि प्रपत्र वि0म0-2 एवं वि0म0-2ख में लाइसेंसधारण करने व कोई थोक लाइसेंसधारक, एकल मांग पत्र के अन्तर्गत भारत निर्मित विदेशी मदिरा/बीयर/वाइन/ कम तीव्रता के मादक पेय के विभिन्न ब्राण्डों की आपूर्ति ऐसे मास्टर वेयरहाउस से प्राप्त कर सकता है।</p> <p>प्रपत्र बी0 डब्लू0 एफ0 एल0-2ए, बी0 डब्लू0 एफ0 एल0-2एए, बी0 डब्लू0 एफ0 एल0-2बी, बी0 डब्लू0 एफ0 एल0-2सी, बी0 डब्लू0 एफ0 एल0-2डी, एवं मास्टर वेयरहाउस में लाइसेंस का नवीकरण, आबकारी आयुक्त अथवा उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी, राज्य सरकार द्वारा विहित निबन्धन एवं शर्तों के अध्यधीन कर सकता है।</p> <p>(9) नवीकरण की स्थिति में पूर्व में नकद अथवा राष्ट्रीय बचत पत्र/गिरवीकृत सावधि जमा रसीद/बैंक गारंटी के माध्यम से जमा की गयी प्रतिभूति तब तक स्वीकार्य होगी, जब तक इसकी वापसी न कर दी जाय।</p> <p>(10) राज्य के बाहर की कोई इकाई, जिसकी अन्य राज्यों में कई इकाइयाँ/बाटलिंग इकाइयाँ हो, जिसके माध्यम से उत्तर प्रदेश के एक जिला/विभिन्न जिलों में बाण्ड लाइसेंस प्राप्त किये गये हो, उनके लेबुलों एवं एम०आर०पी० का अनुमोदन उत्पादक/बाटलिंग इकाई द्वारा बाण्डवार कराया जायेगा।</p>	<p>(8) राज्य के बाहर की कोई इकाई, जिसकी अन्य राज्यों में कई इकाइयाँ हो, जो उत्तर प्रदेश में बाण्ड लाइसेंस लेकर अपनी विभिन्न इकाइयों एवं राज्य में स्थित अपने एफ0एल0-1 और एफ0एल0-1ए लाइसेंसों को सम्मिलित करते हुए एक मास्टर वेयर हाउस से इकाइयों से विनिर्मित आई0 एम0 एफ0 एल0/बीयर/वाइन/कम तीव्रता के मादक पेय की बिक्री एक ही परिसर से करना चाहती हों, को प्रत्येक इकाई के लिये विहित लाइसेंस फीस प्रभारित करने के पश्चात् अनुमति प्रदान की जायेगी।</p> <p>परन्तु यह कि विभिन्न इकाइयों के पारेषण, उन परिसरों में पृथक-पृथक भण्डारित किये जायेगे:</p> <p>परन्तु यह और कि प्रपत्र वि0म0-2 एवं वि0म0-2ख में लाइसेंसधारण करने व कोई थोक लाइसेंसधारक, एकल मांग पत्र के अन्तर्गत भारत निर्मित विदेशी मदिरा/बीयर/वाइन/ कम तीव्रता के मादक पेय के विभिन्न ब्राण्डों की आपूर्ति ऐसे मास्टर वेयरहाउस से प्राप्त कर सकता है।</p> <p>प्रपत्र बी0 डब्लू0 एफ0 एल0-2ए, बी0 डब्लू0 एफ0 एल0-2एए, बी0 डब्लू0 एफ0 एल0-2बी, बी0 डब्लू0 एफ0 एल0-2सी, बी0 डब्लू0 एफ0 एल0-2डी, एवं मास्टर वेयरहाउस में लाइसेंस का नवीकरण, आबकारी आयुक्त अथवा उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी, राज्य सरकार द्वारा विहित निबन्धन एवं शर्तों के अध्यधीन कर सकता है।</p> <p>(9) नवीकरण की स्थिति में पूर्व में नकद अथवा राष्ट्रीय बचत पत्र/गिरवीकृत सावधि जमा रसीद/बैंक गारंटी के माध्यम से जमा की गयी प्रतिभूति तब तक स्वीकार्य होगी, जब तक इसकी वापसी न कर दी जाय।</p> <p>(10) राज्य के बाहर की कोई इकाई, जिसकी अन्य राज्यों में कई इकाइयाँ/बाटलिंग इकाइयाँ हो, जिसके माध्यम से उत्तर प्रदेश के एक जिला/विभिन्न जिलों में बाण्ड लाइसेंस प्राप्त किये गये हो, उनके लेबुलों एवं एम०आर०पी० का अनुमोदन उत्पादक/बाटलिंग इकाई द्वारा बाण्डवार कराया जायेगा।</p>

4-नियम-4 का संशोधन-उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान नियम-4 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्:-

स्तम्भ-1 विद्यमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
4- लाइसेंस फीस-एक वर्ष से अनधिक और प्रदान किये जाने की तिथि से आगामी 31 मार्च तक की अवधि के लिये उत्तर प्रदेश के बाहर निर्मित एवं बोतल में भरी गई भारत निर्मित विदेशी मदिरा के लिये बी0 डब्ल्यू0 एफ0 एल-2ए, उत्तर प्रदेश के बाहर निर्मित एवं बोतल में भरी गयी बीयर के लिए बी0 डब्ल्यू0 एफ0 एल0-2बी, उत्तर प्रदेश के बाहर निर्मित एवं बोतल में भरी गयी वाइन के लिये बी0 डब्ल्यू0 एफ0 एल0-2सी तथा उत्तर प्रदेश से बाहर निर्मित तथा बोतल में भरी गयी कम तीव्रता के मादक पेय के लाइसेंस के लिये बी0 डब्ल्यू0 एफ0 एल0-2 डी प्रपत्र में लाइसेंस, निर्धारित लाइसेंस शुल्क जैसा कि राज्य सरकार या आबकारीआयुक्, उत्तर प्रदेश समय समय पर निर्धारित करेंगे, जमा करने के उपरान्त लाइसेंस प्रदान या नवीनीकृत किया जा सकता है।	4- लाइसेंस फीस-एक वर्ष से अनधिक और प्रदान किये जाने की तिथि से आगामी 31 मार्च तक की अवधि के लिये उत्तर प्रदेश के बाहर निर्मित एवं बोतल में भरी गई भारत निर्मित विदेशी मदिरा के लिये बी0 डब्ल्यू0 एफ0 एल-2ए, बी0 डब्ल्यू0 एफ0 एल-2ए उत्तर प्रदेश के बाहर निर्मित एवं बोतल में भरी गयी बीयर के लिए बी0डब्ल्यू0एफ0एल0-2बी, उत्तर प्रदेश के बाहर निर्मित एवं बोतल में भरी गयी वाइन के लिये बी0 डब्ल्यू0 एफ0 एल0-2सी तथा उत्तर प्रदेश से बाहर निर्मित तथा बोतल में भरी गयी कम तीव्रता के मादक पेय के लाइसेंस के लिये बी0 डब्ल्यू0 एफ0 एल0-2 डी प्रपत्र में लाइसेंस, निर्धारित लाइसेंस शुल्क जैसा कि राज्य सरकार या आबकारीआयुक्, उत्तर प्रदेश समय समय पर निर्धारित करेंगे, जमा करने के उपरान्त लाइसेंस प्रदान या नवीनीकृत किया जा सकता है।

5-नियम-14 का संशोधन -उक्त नियमावली में, नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये विद्यमान नियम-14 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्:-

स्तम्भ-1 विद्यमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
14-बंधित गोदाम का नियंत्रण-	14-बंधित गोदाम का नियंत्रण-
(1) आबकारी विभाग के अधिकारियों, राजस्व विभाग के उच्चाधिकारियों, लाइसेंसधारी, उसके अभिकर्ताओं या सेवकों के अलावा किसी को भी, बंधित गोदाम में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जायेगी।	(1) आबकारी विभाग के अधिकारियों, लाइसेंस प्राधिकारी की अनुमति से , राजस्व विभाग के उच्चाधिकारियों, लाइसेंसधारी, उसके अभिकर्ताओं या सेवकों के अलावा किसी को भी, बंधित गोदाम में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जायेगी।
(2) लाइसेंसधारी एक सक्षम व्यक्ति को अपना अभिकर्ता के रूप में नियुक्त करेगा। जिसकी नियुक्ति प्रभार के उप आबकारी आयुक्त के अनुमोदन के अध्वधीन होगी। अन्य कर्मचारियों को बंधित गोदाम के प्रभारी अधिकारी की शिफारिस पर राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर ऐसी फीस जैसा की विहित किया जाये के संदाय पर जिला आबकारी अधिकारी द्वारा जारी कर सेवायोजित किया जायेगा।	(2) लाइसेंसधारी एक सक्षम व्यक्ति को अपना अभिकर्ता के रूप में नियुक्त करेगा। जिसकी नियुक्ति प्रभार के उप आबकारी आयुक्त के अनुमोदन के अध्वधीन होगी। अन्य कर्मचारियों को बंधित गोदाम के प्रभारी अधिकारी की शिफारिश पर राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर ऐसी फीस जैसा की विहित किया जाये के संदाय पर जिला आबकारी अधिकारी द्वारा जारी कर सेवायोजित किया जायेगा।

<p>स्तम्भ-1</p> <p>विद्यमान नियम</p>	<p>स्तम्भ-2</p> <p>एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम</p>
<p>(3) लाइसेंसधारी प्रभारी अधिकारी को एक सूची प्रस्तुत करेगा, जिसमें अभिकर्ता तथा समस्त सेवायोजित कर्मचारियों के नाम होंगे जिनकी अपने कर्तव्यों के कारण बंधित गोदाम में प्रवेश करने की अपेक्षा की जाये।</p> <p>(4) प्रभारी अधिकारी प्रपत्र बी०डब्लू०एफ०एल०-8 में एक सूची तैयार करेगा, जिसमें लाइसेंसधारी द्वारा प्रस्तुत गोदाम के समस्त कर्मचारियों के व्योरे होंगे और उसकी एक प्रति उप आबकारी आयुक्त प्रभार को भेजेगा।</p> <p>(5) बंधित गोदाम में प्रवेश करने वाले और बाहर जाने वाले समस्त व्यक्तियों की प्रभारी अधिकारी के निदेश के अधीन उनकी तलाशी ली जायेगी।</p> <p>(6) यदि लाइसेंसधारी की जानकारी में यह बात आये कि उसके द्वारा सेवा योजित किसी व्यक्ति ने अधिनियम तथा तद्धीन बनाये गये नियमों के उपबन्धों अथवा उसके द्वारा किये गये वचनबद्धता का उल्लंघन किया है तो प्रभारी आबकारी अधिकारी के माध्यम से सम्बन्धित उप आबकारी आयुक्त को उस मामले की सूचना देगा तथा ऐसे व्यक्ति को सेवा योजन में बनाये रखने के सम्बन्ध में पश्चातवर्ती अधिकारी के निर्देशों का पालन करना उसका कर्तव्य होगा।</p> <p>(7) यदि लाइसेंसधारी का कोई कर्मचारी या अभिकर्ता अधिनियम या तदधीन बनाये गये नियमों के उपबन्धों को भंग करता है तो उसे सम्बन्धित लाइसेंसधारी के कर्मचारी या अभिकर्ता के रूप में रोक दिया जायेगा।</p> <p>(8) बंधित गोदाम का प्रभारी अधिकारी किसी ऐसे व्यक्ति को जिसके सम्बन्ध में उसे यह विश्वास करने का कारण हो कि उसने अधिनियम तथा तद्धीन बनाये गये नियमों के उपबन्धों का कोई उल्लंघन किया है अथवा उसके द्वारा कोई उल्लंघन किया जाने वाला है अथवा जो मनोन्मत्त या उच्छृंखल है, भू- गृहादि से बेदखल तथा अलग कर सकता है। इस नियम के अधीन समस्त कार्यवाही उसके द्वारा अपने उच्चाधिकारी की सूचना के लिये अपनी सरकारी डायरी में तुरन्त अभिलिखित की जायेगी।</p>	<p>(3) लाइसेंसधारी प्रभारी अधिकारी को एक सूची प्रस्तुत करेगा, जिसमें अभिकर्ता तथा समस्त सेवायोजित कर्मचारियों के नाम होंगे जिनकी अपने कर्तव्यों के कारण बंधित गोदाम में प्रवेश करने की अपेक्षा की जाये।</p> <p>(4) प्रभारी अधिकारी प्रपत्र बी०डब्लू०एफ०एल०-8 में एक सूची तैयार करेगा, जिसमें लाइसेंसधारी द्वारा प्रस्तुत गोदाम के समस्त कर्मचारियों के व्योरे होंगे और उसकी एक प्रति उप आबकारी आयुक्त प्रभार को भेजेगा।</p> <p>(5) बंधित गोदाम में प्रवेश करने वाले और बाहर जाने वाले समस्त व्यक्तियों की प्रभारी अधिकारी के निदेश के अधीन उनकी तलाशी ली जायेगी।</p> <p>(6) यदि लाइसेंसधारी की जानकारी में यह बात आये कि उसके द्वारा सेवा योजित किसी व्यक्ति ने अधिनियम तथा तद्धीन बनाये गये नियमों के उपबन्धों अथवा उसके द्वारा किये गये वचनबद्धता का उल्लंघन किया है तो प्रभारी आबकारी अधिकारी के माध्यम से सम्बन्धित उप आबकारी आयुक्त को उस मामले की सूचना देगा तथा ऐसे व्यक्ति को सेवा योजन में बनाये रखने के सम्बन्ध में पश्चातवर्ती अधिकारी के निर्देशों का पालन करना उसका कर्तव्य होगा।</p> <p>(7) यदि लाइसेंसधारी का कोई कर्मचारी या अभिकर्ता अधिनियम या तदधीन बनाये गये नियमों के उपबन्धों को भंग करता है तो उसे सम्बन्धित लाइसेंसधारी के कर्मचारी या अभिकर्ता के रूप में रोक दिया जायेगा।</p> <p>(8) बंधित गोदाम का प्रभारी अधिकारी किसी ऐसे व्यक्ति को जिसके सम्बन्ध में उसे यह विश्वास करने का कारण हो कि उसने अधिनियम तथा तद्धीन बनाये गये नियमों के उपबन्धों का कोई उल्लंघन किया है अथवा उसके द्वारा कोई उल्लंघन किया जाने वाला है अथवा जो मनोन्मत्त या उच्छृंखल है, भू- गृहादि से बेदखल तथा अलग कर सकता है। इस नियम के अधीन समस्त कार्यवाही उसके द्वारा अपने उच्चाधिकारी की सूचना के लिये अपनी सरकारी डायरी में तुरन्त अभिलिखित की जायेगी।</p>

स्तम्भ-1 विद्यमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
(9) लाइसेंसधारी पूर्व या विद्यमान आबकारी विधियों के अधीन या ऐसी विधि, जिसे आगे अधिनियमित किया जाये, के अधीन बंधित गोदाम से विदेशी मदिरा/ बीयर/ वाइन/ कम तीव्रता के मादक पेय निकासी करने के संबंध में बंधित गोदाम के प्रबन्ध मामले के लिये आबकारी आयुक्त द्वारा दिये गये समस्त सामान्य या विशेष अनुदेशों द्वारा आबद्ध होगा और मदिरा के संग्रह एवं निकासी के लिये अपने द्वारा सेवायोजित सभी व्यक्तियों से समस्त ऐसे नियमों का पालन करायेगा।	(9) लाइसेंसधारी पूर्व या विद्यमान आबकारी विधियों के अधीन या ऐसी विधि, जिसे आगे अधिनियमित किया जाये, के अधीन बंधित गोदाम से विदेशी मदिरा/ बीयर/ वाइन/ कम तीव्रता के मादक पेय निकासी करने के संबंध में बंधित गोदाम के प्रबन्ध मामले के लिये आबकारी आयुक्त द्वारा दिये गये समस्त सामान्य या विशेष अनुदेशों द्वारा आबद्ध होगा और मदिरा के संग्रह एवं निकासी के लिये अपने द्वारा सेवायोजित सभी व्यक्तियों से समस्त ऐसे नियमों का पालन करायेगा।

डा० आदर्श सिंह,
आबकारी आयुक्त,
उत्तर प्रदेश।

OFFICE OF THE EXCISE COMMISSIONER, PRAYAGRAJ, UTTAR PRADESH

No. 3653/X-License-40/BWFL Rules-2024-25

Prayagraj, dated: January 18, 2025

NOTIFICATION

In exercise of the powers under section 41 of the United Provinces Excise Act, 1910 (U.P. Act no IV of 1910) read with section 21 of the Uttar Pradesh General Clauses Act, 1904 (U.P. Act no 1 of 1904) the Excise Commissioner, Uttar Pradesh with the previous sanction of the State Government hereby makes the following rules with a view to **amend** the Uttar Pradesh Excise (Settlement of Licenses for Foreign Liquor Bonded Warehouses) Rules, 2011 for the grant of licenses of Foreign Liquor Bonded Warehouse under clause(d) of section 18 of the aforesaid Act of 1910 on fixed license fee, **namely**.

THE UTTAR PRADESH EXCISE (SETTLEMENT OF LICENSES FOR FOREIGN LIQUOR BONDED WAREHOUSE) (TENTH AMENDMENT) RULES, 2024

1. Short title and commencement—(1) These rules may be called the Uttar Pradesh Excise (Settlement of Licenses for Foreign Liquor Bonded Warehouse) (**Tenth Amendment**) Rules, **2024**.

(2) They shall be deemed to have come into force with effect from **01st April, 2024**.

2. Amendment of rule—(2) In the Uttar Pradesh Excise (Settlement of Licenses for Foreign Liquor Bonded Warehouses) Rules, 2011 (hereinafter referred to as the "said rules") for the existing rule 2 set out in Column-I below, the rule as set out in Column-II shall be substituted, **namely :-**

<p style="text-align: center;">Column-I</p> <p style="text-align: center;"><i>Existing rule</i></p>	<p style="text-align: center;">Column-II</p> <p style="text-align: center;"><i>Rule as hereby substituted</i></p>
<p>2. Definition</p> <p>In these rules unless there is anything repugnant in the subject or context:-</p> <p>(i) "Act" means the United Provinces Excise Act, 1910 as amended from time to time;</p> <p>(ii) "District Excise Officer" means an officer of the Excise Department not below the rank of an Assistant Excise Commissioner or an officer of the Revenue Department not below the rank of Sub-Divisional Magistrate, duly appointed and vested with the powers under clause (b) of sub-section (2) of section-10 of the Act.</p> <p>(iii) "Excise Year" means the period of 12 months commencing from 1st day of April of a calendar year;</p> <p>(iv) "Form" means form appended to these rules;</p> <p>(v) "Foreign Liquor" means Indian Made Foreign Liquor (IMFL), beer, wine and Low strength Alcoholic Beverages (LAB).</p> <p>(vi) "Licensee" means a Distillery, Brewery, Vintinery or Bottling Unit of other State to whom a License in Form BWFL-2A, BWFL-2B, BWFL-2C & BWFL-2D has been granted for running a Bonded Warehouse of Foreign Liquor.</p> <p>(vii) "Licensing Authority" means the Excise Commissioner.</p> <p>(viii) "License fee" means the consideration for the grant of License for exclusive privilege of wholesale of Foreign Liquor under section-24A of the Act, which shall be paid through e-payment in Government Treasury by the licensee before the License is granted to him, on such rates as may be fixed from time to time by the Excise Commissioner, with the previous sanction of the State Government.</p> <p>(ix) "Officer in-charge" means an officer of the Excise Department nominated by the Excise Commissioner not below the rank of Excise Inspector.</p>	<p>2. Definition</p> <p>In these rules unless there is anything repugnant in the subject or context:-</p> <p>(i) "Act" means the United Provinces Excise Act, 1910 as amended from time to time;</p> <p>(ii) "District Excise Officer" means an officer of the Excise Department not below the rank of an Assistant Excise Commissioner or an officer of the Revenue Department not below the rank of Sub-Divisional Magistrate, duly appointed and vested with the powers under clause (b) of sub-section (2) of section-10 of the Act.</p> <p>(iii) "Excise Year" means the period of 12 months commencing from 1st day of April of a calendar year;</p> <p>(iv) "Form" means form appended to these rules;</p> <p>(v) "Foreign Liquor" means Indian Made Foreign Liquor (IMFL), beer, wine and Low strength Alcoholic Beverages (LAB).</p> <p>(vi) "Licensee" means a Distillery, Brewery, Vintinery or Bottling Unit of other State to whom a License in Form BWFL-2A, BWFL-2AA, BWFL-2B, BWFL-2C & BWFL-2D has been granted for running a Bonded Warehouse of Foreign Liquor.</p> <p>(vii) "Licensing Authority" means the Excise Commissioner.</p> <p>(viii) "License fee" means the consideration for the grant of License for exclusive privilege of wholesale of Foreign Liquor under section-24A of the Act, which shall be paid through e-payment in Government Treasury by the licensee before the License is granted to him, on such rates as may be fixed from time to time by the Excise Commissioner, with the previous sanction of the State Government.</p> <p>(ix) "Officer in-charge" means an officer of the Excise Department nominated by the Excise Commissioner not below the rank of Excise Inspector.</p>

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
(x) "Security amount" means the amount fixed by the Excise Commissioner which is to be deposited through Fixed Deposit Receipt pledged in favour of Excise commissioner Uttar Pradesh, or through e-payment and shall be refundable after final settlement of Licenses under consideration of entire claims and dues of State Government.	(x) "Security amount" means the amount fixed by the Excise Commissioner which is to be deposited through Fixed Deposit Receipt pledged in favour of Excise commissioner Uttar Pradesh, or through e-payment and shall be refundable after final settlement of Licenses under consideration of entire claims and dues of State Government.
(xi) "Consideration Fee" means a fee for foreign liquor, wine, beer and low alcoholic beverages as fixed by the State Government under section 30 of the Excise Act, which shall be deposited in treasury by the licensee prior to supply.	(xi) "Consideration Fee" means a fee for foreign liquor, wine, beer and low alcoholic beverages as fixed by the State Government under section 30 of the Excise Act, which shall be deposited in treasury by the licensee prior to supply.
(xii) "Additional Consideration Fee" means difference amount obtained as a result of rounding off the maximum retail price of foreign liquor, wine, beer and low alcoholic beverages to the next multiple of ten, which shall be payable at licenced bonded warehouse level and recoverable by the licensee of the bonded warehouse from wholesale supplier in addition to Ex-Distillery/Ex-Brewery Price and which in turn could be recovered by wholesale supplier from retail licensee in addition to maximum wholesale price.	(xii) "Additional Consideration Fee" means difference amount obtained as a result of rounding off the maximum retail price of foreign liquor, wine, beer and low alcoholic beverages to the next multiple of ten, which shall be payable at licenced bonded warehouse level and recoverable by the licensee of the bonded warehouse from wholesale supplier in addition to Ex-Distillery/Ex-Brewery Price and which in turn could be recovered by wholesale supplier from retail licensee in addition to maximum wholesale price.
(xiii) "Import permit fees" means fee imposed on foreign liquor, wine, beer and low alcoholic beverages imported from overseas or any state or union territory outside the Uttar Pradesh.	(xiii) "Import permit fees" means fee imposed on foreign liquor, wine, beer and low alcoholic beverages imported from overseas or any state or union territory outside the Uttar Pradesh.

3. Amendment of rule-3—In the said rules, for existing rule- 3 setout in Column-I below, the rule as setout in Column-II shall be substituted, namely:-

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
3. Grant of License- (1) The licenses for Foreign liquor bonded warehouse on a defined format of annexed (BWFL-2A, BWFL-2B, BWFL-2C and BWFL-2D) for issue of Foreign liquor in wholesale shall be granted/renewed by Excise Commissioner or an Officer authorized by him, not below the rank of Joint Excise Commissioner on payment of License fee, deposit of the security amount and execution of general bond in form BWFL-3 in favour of the Excise Commissioner:	3. Grant of License- (1) The licenses for Foreign liquor bonded warehouse on a defined format of annexed (BWFL-2A, BWFL-2AA BWFL-2B, BWFL-2C and BWFL-2D) for issue of Foreign liquor in wholesale shall be granted/renewed by Excise Commissioner or an Officer authorized by him, not below the rank of Joint Excise Commissioner on payment of License fee, deposit of the security amount and execution of general bond in form BWFL-3 in favour of the Excise Commissioner:

<p>Column-I</p> <p><i>Existing rule</i></p>	<p>Column-II</p> <p><i>Rule as hereby substituted</i></p>
<p>Provided that for the sale of Scotch and single malt brands of India-made foreign liquor having MRP(per bottle) of more than rupees three thousand,BWFL-2AA license will be issued on depositing the license fee as fixed by the State Government. This license will be given to such individuals/firms/companies, which have authorization letters of the concerned producers. In this type of license, sale of maximum five brands including all variants will be allowed.</p> <p>(2) License for Foreign liquor Bonded warehouse for wholesale of Foreign liquor, beer, wine and low strength alcoholic beverages shall be given to the licensed Distilleries, Brewery, Vintineries of other State. License holder of the bottling plant of other State shall also be eligible for the license provided bottling unit of such license holder fulfills the following criteria-</p> <p>(I) Bottling unit has annual turnover of business income (including revenue/excise duty) not less than Rs. 100 Crore.</p> <p>(II) Annual production capacity of bottling unit not less than five lakh cases.</p> <p>(III) Bottling unit has its business at least in three states with minimum one Crore population.</p> <p>(3) Application for grant of license shall be made in the Form BWFL-1.If any out of State unit desires to obtain bond licenses in various districts, then for each separate license fee for every district shall be charged.</p> <p>(4) Security amount shall be prescribed by the Excise Commissioner with the prior approval of the State Government, which shall be in the form of Fixed Deposit Receipt pledged in favour of Excise Commissioner Uttar Pradesh, or through e-payment.</p>	<p>Provided that for the sale of Scotch and single malt brands of India-made foreign liquor having MRP(per bottle) of more than rupees three thousand,BWFL-2AA license will be issued on depositing the license fee as fixed by the State Government. This license will be given to such individuals/firms/companies, which have authorization letters of the concerned producers. In this type of license, sale of maximum ten brands including all variants will be allowed.</p> <p>(2) License for Foreign liquor Bonded warehouse for wholesale of Foreign liquor, beer, wine and low strength alcoholic beverages shall be given to the licensed Distilleries, Brewery, Vintineries of other State. License holder of the bottling plant of other State shall also be eligible for the license provided bottling unit of such license holder fulfills the following criteria-</p> <p>(I) Bottling unit has annual turnover of business income (including revenue/excise duty) not less than Rs. 100 Crore.</p> <p>(II) Annual production capacity of bottling unit not less than five lakh cases.</p> <p>(III) Bottling unit has its business at least in three states with minimum one Crore population.</p> <p>(3) Application for grant of license shall be made in the Form BWFL-1.If any out of State unit desires to obtain bond licenses in various districts, then for each separate license fee for every district shall be charged.</p> <p>(4) Security amount shall be prescribed by the Excise Commissioner with the prior approval of the State Government, which shall be in the form of Fixed Deposit Receipt pledged in favour of Excise Commissioner Uttar Pradesh, or through e-payment.</p>

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
<p>(5) License fee shall be deposited by the licensee through e-payment in Government Treasury.</p> <p>(6) The period of license shall be for an excise year or part thereof for which the license has been granted.</p> <p>(7) The license shall not be permitted to transfer or sublet the license to any other person.</p> <p>(8) Any out of state unit having multiple units in other states ,desirous of selling IMFL/ Beer /Wine/LAB manufactured in its different units including FL-1 and FL-1A licences situated in the state from a master warehouse on same premises after obtaining bond licenses in Uttar Pradesh, may be allowed so after charging prescribed license fee for every unit:</p> <p>“Provided that consignment from various units shall be stored separately in that premises:</p> <p>Provided further that any wholesale licensee holding license in Form FL-2 and FL-2B may procure supply of different brands of Indian made foreign liquor/Beer/ Wine/ Low Strength Alcoholic Beverage under a single indent from such a master warehouse.</p> <p>License in Form BWFL-2A, BWFL-2AA, BWFL-2B,BWFL-2C and BWFL-2D and master warehouse may be renewed by Excise Commissioner or an officer authorized by him, subject to the terms and conditions prescribed by the State Government.</p> <p>(9) In case of renewal security deposited prior in cash or through National Saving Certificate/Pledged fixed deposit receipt/Bank Guarantee shall be acceptable till it is not refunded.</p>	<p>(5) License fee shall be deposited by the licensee through e-payment in Government Treasury.</p> <p>(6) The period of license shall be for an excise year or part thereof for which the license has been granted.</p> <p>(7) The license shall not be permitted to transfer or sublet the license to any other person.</p> <p>(8) Any out of state unit having multiple units in other states ,desirous of selling IMFL/ Beer /Wine/LAB manufactured in its different units including FL-1 and FL-1A licences situated in the state from a master warehouse on same premises after obtaining bond licenses in Uttar Pradesh, may be allowed so after charging prescribed license fee for every unit:</p> <p>“Provided that consignment from various units shall be stored separately in that premises:</p> <p>Provided further that any wholesale licensee holding license in Form FL-2 and FL-2B may procure supply of different brands of Indian made foreign liquor/Beer/ Wine/ Low Strength Alcoholic Beverage under a single indent from such a master warehouse.</p> <p>License in Form BWFL-2A, BWFL-2AA, BWFL-2B,BWFL-2C and BWFL-2D and master warehouse may be renewed by Excise Commissioner or an officer authorized by him, subject to the terms and conditions prescribed by the State Government.</p> <p>(9) In case of renewal security deposited prior in cash or through National Saving Certificate/Pledged fixed deposit receipt/Bank Guarantee shall be acceptable till it is not refunded.</p>

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
(10) Any unit outside the state, which has many units/bottling units in other states, through which bond licenses have been obtained in one district/various districts of Uttar Pradesh, the brands, their labels and Approval of MRP will be done bond wise by the producer/bottling unit.	(10) Any unit outside the state, which has many units/bottling units in other states, through which bond licenses have been obtained in one district/various districts of Uttar Pradesh, the brands, their labels and Approval of MRP will be done bond wise by the producer/bottling unit.

4. Amendment of rule 4—In the said rules, for the existing rule 4 setout in Column-I below, the rule as setout in Column-II shall be substituted, namely:-

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
4. Licence fee-The licence in Form BWFL-2A for IMFL manufactured and bottled out side Uttar Pradesh, licence in Form BWFL-2B for Beer manufactured and bottled out side Uttar Pradesh, the licence in Form BWFL-2C for wine manufactured and bottled out side Uttar Pradesh, the licence in Form BWFL-2D for the low strength alcoholic beverages. Manufactured and bottled out side Uttar Pradesh can be granted or renewed on payment of licence fee as fixed by the Excise Commissioner from time to time with the previous sanction of the State Government for the period not exceeding one year and ending on 31st March following the date of grant.	4. Licence fee-The licence in Form BWFL-2A, BWFL-2AA for IMFL manufactured and bottled out side Uttar Pradesh, licence in Form BWFL-2B for Beer manufactured and bottled out side Uttar Pradesh, the licence in Form BWFL-2C for wine manufactured and bottled out side Uttar Pradesh, the licence in Form BWFL-2D for the low strength alcoholic beverages. Manufactured and bottled out side Uttar Pradesh can be granted or renewed on payment of licence fee as fixed by the Excise Commissioner from time to time with the previous sanction of the State Government for the period not exceeding one year and ending on 31st March following the date of grant.

5. Amendment of rule-14—In the said rules, for the existing rule 14 setout in Column-I below, the rule as setout in Column-II shall be substituted, namely:-

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
14.Control of Bonded Warehouse-. (1) No one except officer of the Excise Department, Superior Officers of the land Revenue Department, Licensee, his agents or approved servants shall be allowed to enter the Bonded Warehouse.	14.Control of Bonded Warehouse-. (1) No one except officer of the Excise Department, with the permission of the licensing authority , Superior Officers of the land Revenue Department, Licensee, his agents or approved servants shall be allowed to enter the Bonded Warehouse.

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
<p>(2) The licensee may appoint a competent person as his Agent, whose appointment shall be subject to the approval of Deputy Excise Commissioner of the Charge. Other employees shall be employed on the recommendation of the officer-in-charge of the bonded warehouse, issued by the District Excise Officer on payment of such fees as may be prescribed by the State Government from time to time.</p>	<p>(2) The licensee may appoint a competent person as his Agent, whose appointment shall be subject to the approval of Deputy Excise Commissioner of the Charge. Other employees shall be employed on the recommendation of the officer-in-charge of the bonded warehouse, issued by the District Excise Officer on payment of such fees as may be prescribed by the State Government from time to time.</p>
<p>(3) The licensee shall furnish to the Officer In-charge a list of Agent and all the employees whose duties require them to enter the Bonded Warehouse.</p>	<p>(3) The licensee shall furnish to the Officer In-charge a list of Agent and all the employees whose duties require them to enter the Bonded Warehouse.</p>
<p>(4) The Officer In-charge shall maintain a list in Form BWFL-8 containing the particulars of all employees in the warehouse as furnished by the licensee and shall forward a copy thereof to the Deputy Excise Commissioner of the charge.</p>	<p>(4) The Officer In-charge shall maintain a list in Form BWFL-8 containing the particulars of all employees in the warehouse as furnished by the licensee and shall forward a copy thereof to the Deputy Excise Commissioner of the charge.</p>
<p>(5) All person entering or going out of the bonded warehouse shall be subject to search under the direction of the Officer In-charge.</p>	<p>(5) All person entering or going out of the bonded warehouse shall be subject to search under the direction of the Officer In-charge.</p>
<p>(6) If it comes to the knowledge of a licensee that any person employed by him has committed any such breach of the provisions of the Act, and the Rules made there under or of the agreements entered into by him, it shall be his duty to report the matter to the concerned Deputy Excise Commissioner through the officer in-charge and to comply with the directions of the latter Officer regarding the continued employment of such person.</p>	<p>(6) If it comes to the knowledge of a licensee that any person employed by him has committed any such breach of the provisions of the Act, and the Rules made there under or of the agreements entered into by him, it shall be his duty to report the matter to the concerned Deputy Excise Commissioner through the officer in-charge and to comply with the directions of the latter Officer regarding the continued employment of such person.</p>
<p>(7) If any employee or agent of licensee commits any breach of provisions of the Act or of rules made there under, he shall be discontinued as employee or agent of the concerned licensee.</p>	<p>(7) If any employee or agent of licensee commits any breach of provisions of the Act or of rules made there under, he shall be discontinued as employee or agent of the concerned licensee.</p>

Column-I <i>Existing rule</i>	Column-II <i>Rule as hereby substituted</i>
<p>(8) The Officer In-charge of a Bonded Warehouse may reject and exclude from the premises any person who has committed or is about to commit any breach of the provisions of the Act and the rules made there under or who is intoxicated or disorderly, All actions under this rule shall forthwith be recorded by him in writing in his official diary for the information to his superiors.</p> <p>(9) The Licencee shall be bound by all general or special instructions given by Excise Commissioner for managing affair of Bonded Warehouse in reference to issue of foreign liquor Beer/Wine/Low alcoholic beverages from Bonded Warehouse under the prior or existing Excise laws or under any law which may hereinafter be enacted, and shall cause all persons employed by him to obey all such rules for the storage and issue of liquor.</p>	<p>(8) The Officer In-charge of a Bonded Warehouse may reject and exclude from the premises any person who has committed or is about to commit any breach of the provisions of the Act and the rules made there under or who is intoxicated or disorderly, All actions under this rule shall forthwith be recorded by him in writing in his official diary for the information to his superiors.</p> <p>(9) The Licencee shall be bound by all general or special instructions given by Excise Commissioner for managing affair of Bonded Warehouse in reference to issue of foreign liquor Beer/Wine/Low alcoholic beverages from Bonded Warehouse under the prior or existing Excise laws or under any law which may hereinafter be enacted, and shall cause all persons employed by him to obey all such rules for the storage and issue of liquor.</p>

Dr. Adarsh Singh,
Excise Commissioner,
Uttar Pradesh.